PACKAGE OF PRACTICES FOR PADDY CULTIVATION (in Hindi)

Crop: Rice

Variety/Hybrid: All types of Archana Seeds' varieties

Sponsoring Organization: Archana Agri Genetics. Hyderabad.

==========

नर्सरी की तैयारी:

लगभग 320 वर्ग मीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है एक एकड़ मुख्य खेत की रोपाई के लिए। नर्सरी अच्छी तरह से पोखरित, समतल और खरपतवार से मुक्त होनी चाहिए और क्षेत्र में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी और जल निकासी की सुविधा होनी चाहिए। मिट्टी को एक महीन झुकाव में लाने के लिए नर्सरी क्षेत्र को 2-3 बार हल करें। पोषक तत्व प्रबंधन के रूप में नर्सरी बेड में 250 किलो एफवाईएम, 2 किलो यूरिया, 2.5 किलो एसएसपी और 1 किलो एमओपी डाले।

बुवाई का समय: खरीफ: मई और जून रबी: नवंबर और दिसंबर

बीज दर: 8-10 किलो/एकड़ (उन्नत धान बीज) and 6 किलो/एकड़ (संकर धान बीज)

बुवाई विधि: बीज को कार्बेन्डाजिम के साथ 1.5 ग्राम / किग्रा की दर से मिलाकर 12 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। फिर इसे 36-48 घंटे के लिए या ठीक से अंकुरित होने तक किसी छायाकार स्थान पर रख बोरियों से ढक दें। अंकुरित बीज को बीज बिस्तर में समान रूप से प्रसारित करें और अंकुरित बीज, स्थापित होने तक 2-3 सेमी जल स्तर बनाए रखें।

मुख्य खेत की तैयारी: अच्छी जुताई का उद्देश्य मिट्टी की उपयुक्त खेती सुनिश्चित करना है, जो अंतःस्त्रवण के कारण पानी के नुकसान और इसके परिणामस्वरूप लागू उर्वरकों के नुकसान को प्रतिबंधित कर सकता है। भूमि को 3-4 बार जोतना चाहिए और प्रत्येक जुताई के बाद क्लोड ब्रेकिंग ऑपरेशन होना चाहिए। मिट्टी में 6 टन/एकड़ जैविक खाद (एफवाईएम) शामिल करें। पानी देने से पहले भूमि को ठीक से समतल करें।

पोषक तत्व प्रबंधन:

प्रयोग का समय	यूरिया	डीएपी	एमओपी	जिंक सल्फेट
रोपाई से पहले (बेसल खुराक)	10	50	20	12
कल्ले फूटते समय	30	--	--	--
बालियां निकलते समय	30	--	20	--

प्रतिरोपण: प्रति पहाड़ी 1 पौध (संकर के लिए) या 2 पौध (उन्नत किस्म के लिए) पर 20-25 दिन पुराने (खरीफ के लिए) या फिर 25-30 दिन पुराने (रबी के लिए) स्वस्थ पौधे प्रत्यारोपित करें। लाइनों के बीच 20 सेमी और पौधों के बीच 15 सेमी की दूरी का पालन किया जाना चाहिए।

खरपतवार प्रबंधन: धान में उचित पोखरण और जल प्रबंधन द्वारा खरपतवार को कम किया जा सकता है। 1 किलो प्रति एकड़ की दर से बुटाक्लोर की सिफारिश की जाती है। रोपाई के 2-5 दिन बाद रसायन लगाया जाना चाहिए। हर्बिसाइड लगाने के बाद 3-4 दिनों तक खेत में पानी रहना चाहिए।

जल प्रबंधन: शुरुआती 15 दिनों के लिए मुख्य खेत में 2-3 सेमी स्तर तक पानी की सिंचाई करें, उसके बाद फसल के अनाज परिपक्वता तक पहुंचने तक 3-4 सेमी जल स्तर बनाए रखें। वर्षा के अभाव में, जुताई, बालि निकलने, फूल खिलने और अनाज भरने की अवस्था में फसल की सिंचाई करें। **पानी निकालने की आवश्यकता:** नाइट्रोजन के शीर्ष ड्रेसिंग से पहले, बालि निकलने चरण और फसल की कटाई से 2-3 सप्ताह पहले, यह इस बात पर निर्भर करता है कि मिट्टी हल्की है या भारी।

रोग और कीट प्रबंधन:

रोग और कीट	प्रबंधन
ब्लास्ट	कार्बेन्डाजिम@400 ग्राम/एकड़ या टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% @80 ग्राम/एकड़ छिड़काव करें।
शीथ ब्लाइट	प्रोपिकोनाज़ोल 75%@200 मिलीलीटर/एकड़ या वैलिडामाइसिन 3L@400 मिलीलीटर/एकड़ का छिड़काव करें। छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं।
फॉल्स स्मट	बूट लीफ चरण में कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77%@400 ग्राम/एकड़ या टेबुकोनाज़ोल 25%@400 ग्राम/एकड़ छिड़काव करें। फॉल्स स्मट के प्रभावी नियंत्रण के लिए 7-10 दिनों के बाद दूसरा छिड़काव किया जाना चाहिए। या फिर बालि उद्भव चरण में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड@2 ग्राम/लीटर में मिलाकर छिड़काव करें।
बी. एल. बी.	स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (9%) + टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड (1%) 200 ग्राम/एकड़ के साथ कॉपर ऑक्सीक्लोराइड@400 ग्राम/एकड़ छिड़काव करें।
तना छेदक	कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 4G@10 किलो/एकड़ की दर से 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर ब्रॉडकास्ट या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल@ 60 मिलीलीटर/एकड़ छिड़काव करें।
बी. पी. एच. (भूरा फुदका)	इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव 50 मिलीलीटर/एकड़ या पाइमेट्रोज़िन@20 ग्राम/एकड़ की दर से करें।

*प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का उपयोग करें।

कटाई और गहाई: फसल की कटाई तब करें जब 80-85% अनाज पक गए हो। गहाई 16% अनाज नमी पर किया जाता है और भंडारण 12% अनाज नमी पर किया जाता है।

ऊपर दिए गए जानकारी अनुसंधान केंद्रों के परिणामों और केंद्रीय और राज्य कृषि अनुसंधान संस्थानों के परामर्श पर आधारित है। स्थानीय परिस्तिथियां व मौसम का हाल बदलने से इसमें बदलाव हो सकता है।